CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

जीसीएमएमएफ ने देशभर में किफायती सागर स्किम्ड मिल्क लॉन्च किया

8 जनवरी को, गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने दूध पाउडर और घी सेगमेंट में अपनी विरासत का विस्तार करते हुए, पूरे भारत में सागर स्किम्ड मिल्क का अनावरण किया। बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं को लक्ष्य करते हुए, जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने आर्थिक वर्ग और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं दोनों के लिए सागर स्किम्ड मिल्क की सामर्थ्य पर जोर दिया।

होटल, रेस्तरां और कैटरर्स (HoReCa) के लिए 250 मिलीलीटर (₹10) से लेकर 6-लीटर पैक तक विभिन्न आकारों में उपलब्ध, वसा रहित दूध का लक्ष्य विभिन्न उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करना है।

जीसीएमएमएफ, देश भर में 98 डेयरी संयंत्रों और 50 मिलियन लीटर की दैनिक दूध-हैंडलिंग क्षमता के साथ, गुणवत्ता वाले दूध उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकिंग और भंडारण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखता है।

पशुधन प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए eFeed को 25 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ

भारतीय स्टार्टअप eFeed को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) पूसा से 25 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है, जो सटीक पशु प्रबंधन और फ़ीड प्रथाओं में क्रांति लाने के अपने मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिसंबर 2020 में स्थापित, eFeed मवेशी उद्योग की भलाई, उत्पादकता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाने पर केंद्रित है। यह अनुदान ईफीड के अभिनव पोषण कैलकुलेटर सहित लागत प्रभावी समाधानों के साथ किसानों को सशक्त बनाने के प्रयासों में सहायता करेगा।

टिकाऊ पशुधन प्रथाओं के प्रति स्टार्टअप की प्रतिबद्धता बढ़ती आबादी के लिए सुरक्षित और टिकाऊ खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के अपने व्यापक लक्ष्य के साथ संरेखित है। आईसीएआर पूसा के साथ ईफीड का सहयोग कृषि, पशु कल्याण और खाद्य सुरक्षा को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने के अपने मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर दर्शाता है।

असम डेयरी युगल नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में चमकेगा

डेयरी फार्मिंग में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पहचाने जाने वाले इस जोड़े ने कड़ी मेहनत और पशु चिकित्सा मार्गदर्शन के माध्यम से गरीबी पर काबू पाने के लिए 2004 में एक गाय के साथ अपनी यात्रा शुरू की।

असम के भोजकुचियापारा गांव के एक जोड़े, जूना तमुली बन्नन और प्रणब कुमार बर्मन, राज्य की 36 सदस्यीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने के लिए तैयार हैं।

क्रॉस-ब्रीडिंग के लिए कृत्रिम गर्भाधान (एआई) का उपयोग करते हुए, उनकी सफलता की कहानी बजली में डेयरी फार्मिंग पहल के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है, जिससे जीवन में बदलाव आया है, बेरोजगारी को संबोधित किया गया है और दूध उत्पादन में वृद्धि हुई है। जूना के समर्पण ने उन्हें प्रतिष्ठित पुरस्कार दिलाए हैं, जो ऐसे प्रयासों की परिवर्तनकारी शक्ति को उजागर करते हैं।

पंजाब पशुपालन विभाग ने कड़ाके की सर्दी के बीच पशुधन की सुरक्षा के लिए सलाह जारी की

पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन मंत्री एस.गुरमीत सिंह खुदियां ने पशुपालन विभाग को क्षेत्र में चल रही हाड़ कंपा देने वाली ठंड और तेज हवाओं से पशुओं को बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण सलाह जारी करने का निर्देश दिया है। एडवाइजरी में पशुधन और उनके मालिकों के लिए चरम मौसम के संभावित खतरों पर जोर दिया गया है।

सलाह के जवाब में, पशुपालकों से सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया जाता है जैसे कि पशु शेडों में बोरियों से बने 'पल्ली' का उपयोग करना, अत्यधिक ठंड के दौरान जानवरों को घर के अंदर रखना और उनकी भलाई की बारीकी से निगरानी करना। सलाह में शेड के तापमान की निगरानी करने, यदि आवश्यक हो तो हीटर का उपयोग करने और बढ़ते अमोनिया धुएं को रोकने के लिए सूखा और साफ बिस्तर बनाए रखने का सुझाव दिया गया है। किसानों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे अत्यधिक ठंड में मवेशियों को चराने से बचें, बड़ा चारा भंडारण सुनिश्चित करें और सर्दियों के दौरान बहुत छोटे, बूढ़े या बीमार जानवरों के लिए अतिरिक्त पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करें।

इसके अलावा, सलाह में गर्भवती और कमजोर जानवरों के लिए ताजे पानी और तत्काल पशु चिकित्सा उपचार तक पहुंच पर प्रकाश डाला गया है, जो प्रतिकूल सर्दियों की परिस्थितियों के दौरान पशुधन स्वास्थ्य और कल्याण की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है।

एफएआरडी-एनडीडीबी ने एंथ्रेक्स वैक्सीन उत्पादन को बढ़ावा देने, ओडिशा को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहयोग किया

वैक्सीन आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास (एफएआरडी) विभाग ने सोमवार को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। सहयोग का उद्देश्य बरहामपुर में ओडिशा जैविक उत्पाद संस्थान की उपग्रह इकाई में एक अच्छी विनिर्माण प्रैक्टिस (जीएमपी) सुविधा स्थापित करना है।

एफएआरडी मंत्री रणेंद्र प्रताप स्वैन ने आशा व्यक्त की कि यह सुविधा न केवल ओडिशा की एंथ्रेक्स और एंटरोटॉक्सिमिया (ईएनटी) टीकों की मांग को पूरा करेगी बल्कि अन्य राज्यों को भी वैक्सीन की आपूर्ति करने में सक्षम बनाएगी।

वर्तमान में, बेरहामपुर इकाई पारंपरिक तरीकों के माध्यम से सालाना एंथ्रेक्स स्पोर वैक्सीन (एएसवी) की 22 लाख खुराक और एंटरोटॉक्सिमिया वैक्सीन (ईएनटीवी) की 14 लाख खुराक का उत्पादन करती है। आगामी जीएमपी प्रयोगशाला डब्ल्यूएचओ के मानदंडों और भारत के ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 का पालन करेगी, जिससे इकाई को सालाना ईएनटीवी की दो करोड़ खुराक और एएसवी टीकों की 50 लाख खुराक का उत्पादन बढ़ाने की अनुमति मिलेगी। 52 करोड़ रुपये की लागत वाली यह महत्वाकांक्षी परियोजना, क्षेत्र में वैक्सीन निर्माण क्षमताओं को बढ़ाने और स्वास्थ्य देखभाल पहल को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

हिमाचल प्रदेश ने डेयरी क्षेत्र को ऊपर उठाने के लिए 500 करोड़ रुपये की 'हिम गंगा' योजना शुरू की

हिमाचल प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को उत्प्रेरित करने और क्षेत्र में 'श्वेत क्रांति' शुरू करने के लिए, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने 500 करोड़ रुपये के निवेश से समर्थित हिम गंगा दूध सहकारी योजना का अनावरण किया। यह पहल जन जागरूकता समितियों के गठन और 201 दुग्ध सहकारी समितियों की स्थापना के साथ शुरू हुई, जिसमें महिलाओं द्वारा संचालित हमीरपुर में 11 और कांगड़ा में आठ को प्राथमिकता दी गई।

सरकार ने लिंग, जाति, धर्म और समुदाय की बाधाओं को पार करते हुए किसानों के बीच आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में दुग्ध सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

राज्य का लक्ष्य महिलाओं के नेतृत्व वाली दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों की संख्या को व्यवस्थित रूप से बढ़ाना है। डेयरी क्षेत्र ने रोजगार पैदा करने के अलावा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण और गरीबी को कम करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बढ़ी हुई खरीद कीमतों और बुनियादी ढांचे में रणनीतिक निवेश के साथ, हिमाचल प्रदेश अपने डेयरी उद्योग में परिवर्तनकारी विकास के लिए तैयार है।

निदेशक एएचडी चैंपियंस डेयरी डेवलपमेंट रामबन में, किसान-हितैषी योजनाओं की वकालत करते हैं

जम्मू में पशुपालन विभाग (एएचडी) की निदेशक डॉ. शुभ्रा शर्मा ने रामबन जिले की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान एकीकृत डेयरी विकास योजना (आईडीडीएस) की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर देते हुए जागरूकता शिविरों की एक श्रृंखला का नेतृत्व किया। डॉ. शुभ्रा ने रामबन में दूध संग्रह, सब्सिडी वाली वैन और मिल्क एटीएम में जेकेएमपीसीएल के समर्थन पर प्रकाश डालते हुए किसानों को डेयरी इकाइयों की स्थापना के लिए आईडीडीएस लाभों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

निदेशक ने प्रतिभागियों से आईडीडीएस, आईपीडीपी, चारा और चारा और एचएडीपी जैसी किसान-अनुकूल योजनाओं के माध्यम से दूध उत्पादन बढ़ाने और पोल्ट्री क्षेत्र को मजबूत करने का आग्रह किया। स्थानीय मांगों को संबोधित करते हुए, उन्होंने नए पशु चिकित्सा केंद्रों और दवा की उपलब्धता पर विचार करने का आश्वासन दिया।

सीएएचओ डॉ. सुहैल जान कावूसा और अन्य के नेतृत्व में शिविरों में किसानों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं के बारे में शिक्षित किया गया। जेकेएमपीसीएल के प्रबंध निदेशक ने जम्मू-कश्मीर में दूध संग्रह और वितरण के महत्वपूर्ण प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अंतर्दृष्टि साझा की। कौबाग में पशु सखियों को मुफ्त किट प्राप्त हुईं, जिससे महत्वपूर्ण पशु डेटा रिकॉर्ड करने में उनकी भूमिका बढ़ गई। प्रगतिशील किसानों ने सफलता की कहानियाँ साझा कीं, जबकि ग्रामीणों ने अधिक जागरूकता शिविरों और आवश्यक पशु चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता पर आवाज उठाई।

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया